आर्थिक स्थिति एक समीक्षा

01

आर्थिक स्थिति - एक समीक्षा

छत्तीसगढ़ अर्थव्यवस्था का विहंगावलोकन :–

भारतीय संघ के 26 वें राज्य के रूप में दिनांक 01 नवंबर 2000 को गठित छत्तीसगढ़ 23 वर्ष के पूर्ण युवावस्था में प्रवेश कर चुका है। युवास्था के भरपुर उर्जा के साथ छत्तीसगढ़ पुरे देश में अग्रणी राज्य बनने की कतार में है। देश का 4.1 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र को समाहित कर विपुल खनिज संपदा और बन बाहुल्य से परिपूर्ण शांतिप्रिय राज्य का दर्जा छत्तीसगढ़ ने हासिल किया है। प्रकृति प्रदत्त उपहारो से सुज्जित एवं कुशल मानव संसाधन के प्रयोग से आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की ओर अग्रसर है। जिसने खरीफ वर्ष 2022–23 में 23.42 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 107.53 लाख मे. टन धान की खरीदी कर रिकार्ड बनाया है। निश्चित ही छत्तीसगढ़ राज्य ''धान का कटोरा'' नाम को चरितार्थ करता है।

राज्य में 4 प्रमुख नदी प्रणालियाँ क्रमशः महानदी, गोदावरी, नर्मदा और गंगा का जलग्रहण क्षेत्र शामिल है। महानदी, इन्द्रावती, हसदेव, शिवनाथ, अरपा, ईब राज्य की प्रमुख नदियाँ हैं। राज्य की जलवायु मुख्यतः सह आर्द्र तथा औसत वार्षिक वर्षा 1200 से 1500 मि. मी. है।

छत्तीसगढ़ राज्य का भौगोलिक क्षेत्रफल 1,35,191 वर्ग किलोमीटर है, जो कि देश के क्षेत्रफल का 4.1 प्रतिशत है। प्रदेश का वन क्षेत्रफल लगभग 59,772 वर्ग किलोमीटर है, जो कि प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 44.21 प्रतिशत है। राज्य के वन आवरण की दुष्टि से छत्तीसगढ़ का देश में चौथा स्थान है।

राज्य की कुल जनसंख्या लगभग 2.55 करोड़ हैं, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्य में संलिप्त है। राज्य में लगभग 40.10 लाख कृषक परिवार हैं, जिसमें लगभग 82 प्रतिशत लघु एवं सीमांत श्रेणी के हैं। धान, सोयाबीन, उड़द एवं अरहर खरीफ मौसम की मुख्य फसलें हैं तथा रबी मौसम के मुख्य रूप से चना एवं तिवड़ा का उत्पादन लिया जाता है। राज्य के कुछ जिले गन्ना उत्पादन हेतु उपयुक्त है तथा वर्तमान में राज्य में 04 सहकारी शक्कर कारखाने सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। राज्य की अन्य

फसलों में मक्का, लघु–धान्य, मूंग, गेहूँ, मूंगफली इत्यादि सम्मिलित हैं। छ0ग0 के मध्य मैदानी इलाके को मध्य भारत का धान का कटोरा कहा जाता है।

छत्तीसगढ़ की रत्नगर्भा धरती को प्रकृति ने अपार एवं अनमोल खनिज तथा वन संपदा से भरपूर बनाया है। यह राज्य कोयला, लोहा, बॉक्साईट, चूना, कोरंडम, हीरा, स्वर्ण, टीन इत्यादि खनिज संसाधनों से परिपूर्ण है। कुशल श्रम शक्ति के सुलभ, सहज एवं किफायती दर पर उपलब्धता के कारण कोर सेक्टर में निवेश के मामले में यह राज्य निवेशकों में पंसदीदा बना हुआ है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ देश में गुणवत्तापूर्ण सतत् एवं सस्ता विद्युत उपलब्ध कराने वाले राज्यों की अग्रणी पंक्ति में शामिल है।

राज्य में कृषि उत्पादों के साथ–साथ उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में साल दर साल वृद्धि हो रही है। छत्तीसगढ़ भारत में मिलेट हब बन रहा है। मोटे अनाजों एवं लघु अनाजों की पैदावार बढ़ाने से किसानों की आय में वृद्धि हो रही, वही जन सामान्य का पूर्ण पोशण सुनिश्चित हो रहा है। छत्तीसगढ़ के 14 जिले मिलेट जिले के रूप में चिन्हांकित हैं। मिलेट कैफे के माध्यम से नवीन रोजगार और पोशण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं छत्तीसगढ़ की पहचान बन रही है। एक ओर जहाँ 2001–03 में मातृ मृत्यु दर 01 लाख प्रति जीवित जन्मों पर 379 थीं, यह घटकर 137 (SRS Report 2018-20) हो गयी, बढ़ते संस्थागत प्रसव एवं गिरते कुपोषण के कारण शिशु मृत्यु दर वर्ष 2022 के स्थिति में घटकर 38 हो गई है। जो कि राज्य निर्माण के समय यह प्रति एक हजार जीवित जन्म पर 77 था। वहीं सतत् विकास लक्ष्य में वर्ष 2030 तक राज्य के लिए शिशु मृत्यु दर का लक्ष्य 15 रखा गया है।

राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों में मेजबानी करने की क्षमता में तेजी से विकास हो रहा है। छत्तीसगढ़ ने सितम्बर 2023 में जी–20 देशों के सम्मेलन का सफलतापूर्वक मेजबानी किया।

3.1 छत्तीसगढ़ का आर्थिक विकास (सकल राज्य घरेलू उत्पाद)–

किसी भी प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद उस प्रदेश की आर्थिक प्रगति को व्यक्त करता है। यह संकेताक किसी निश्चित समय मे राज्य के आर्थिक प्रगति के विस्तार एवं दिशा को प्रदर्शित करता है। प्रति व्यक्ति किसी देश या भौगोलिक क्षेत्र में प्रति प्यक्ति अर्जित धन की मात्रा की माप है। किसी देर्श की प्रति व्यक्ति याय की गणना देश की राष्टीय आय को उसकी जनसंख्या से विभाजित करके ज्ञात की जाती है। सकल राज्य

घरेलू उत्पाद , निवल राज्य घरेलू उत्पाद तथा प्रति व्यक्ति आय स्थिर भाव एवं करेन्ट भाव पर प्रदर्शित है

छत्तीसगढ़ में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की गतिविधियां प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है। राज्य के कुल सकल राज्य घरेलू उत्पाद मे मौजूदा कीमतो पर वर्ष 2023–24 में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की भागीदारी 20.49 प्रतिशत अनुमानित है। इसी अवधि में उद्योग क्षेत्र की भागीदारी एवं सेवा क्षेत्र की भागीदारी क्रमशः 44.69 एवं 34.82 प्रतिशत रहने की संभावना है। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से प्राप्त जानकारी निम्नानुसार है

छत्तीसगढ़ राज्य का उद्योग समूहवार सकल राज्य घरेलू उत्पाद स्थिर मूल्य पर

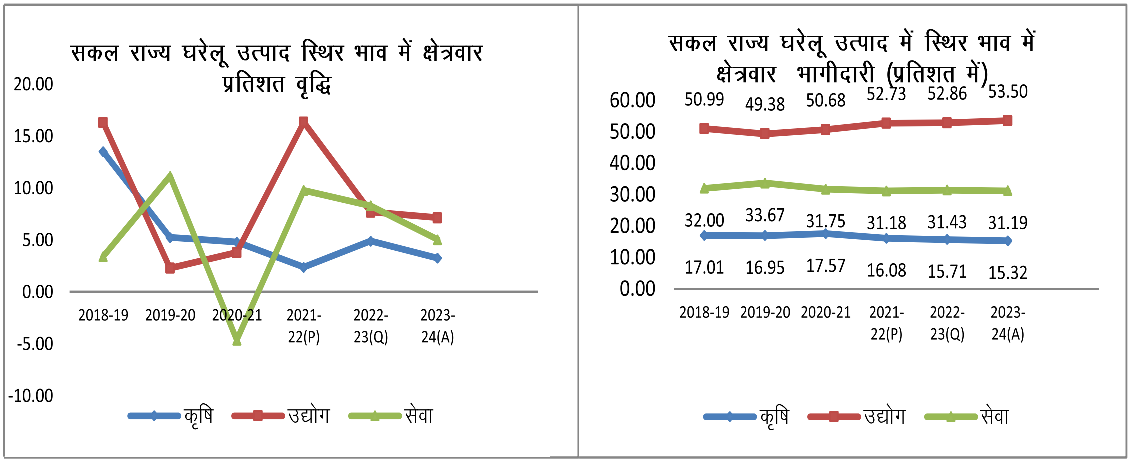

3.1.1 कृषि :– इस क्षेत्र में वर्ष 2011–12 में जहॉ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी 18.10 प्रतिशत थी, वहीं निरंतर किंतु धीमी गति से घटते हुए वर्ष 2023–24 में 15.32 प्रतिशत पर आ गई है। इस क्षेत्र में वर्ष 2017–18, 2018–19 ,2019–20, 2020–21, 2021–22 2022–23 एवं 2023–24 में वृद्धि (स्थिर भाव पर) क्रमशः –10.90, 13.49 5.22, 4.77, 2.35 4.87,एवं 3.23 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2012–13 से 2023–24 तक औसत वृद्धि 4.90 प्रतिशत दर्ज की गई।

3.1.2. उद्योग :– इस क्षेत्र में खनन, विनिर्माण, विद्युत, जलापूर्ति एवं निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। वर्ष 2011–12 में जहॉ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में उद्योग क्षेत्र की हिस्सेदारी 47.27 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2023–24 में 53.50 प्रतिशत सम्भावित है। वर्ष 2017–18, 2018–19 ,2019–20, 2020–21, 2021–22 2022–23 एवं 2023–24 में उद्योग क्षेत्र में वृद्धि (स्थिर भाव पर) क्रमशः 9.31, 16.29, 2.27, 3.77, 16.32 7.67 एवं 7.13 प्रतिशत अनुमानित है। वर्ष 2012–13 से 2023–24 तक औसत वृद्धि 7.36 प्रतिशत दर्ज की गई।

3.1.3 सेवा क्षेत्र :– छत्तीसगढ़ में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए विगत वर्षों में निरंतर बढ़ रही है। इस क्षेत्र के अंतर्गत व्यापार, होटल एवं जलपान गृह, स्थावर संपदा एवं अन्य सेवाओं की सर्वाधिक भागीदारी है। वर्ष 2011–12 में जहॉ सकल घरेलू उत्पाद (स्थिर भाव) में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 34.63 प्रतिशत थी, यह वर्ष 2023–24 में 31.19 होना अनुमानित है। वर्ष 2017–18, 2018–19 ,2019–20, 2020–21, 2021–22, 2022–23 एवं 2023–24 में (स्थिर भाव पर) क्रमशः 1.79, 3.40, 11.13, –4.64, 9.77, 8.28 तथा 5.02 के वृद्धि अनुमानित है। वर्ष 2012–13 से 2023–24 तक औसत वृद्धि 5.37 प्रतिशत परिलक्षित हो रही है।

4. मूल्य एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली :– छत्तीसगढ़ का औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मई 2023 में 169.9, 168.4 एवं 169.3 क्रमशः ग्रामीण, नगरीय एवं संयुक्त क्षेत्र के लिए हो गया। वर्ष 2023–24 में धान (सामान्य) एवं धान (ग्रेड–ए) के समर्थन मूल्य क्रमशः 2,183 एवं 2,203 रू. प्रति क्विंटल भारत सरकार द्वारा घोषित किया गया। खरीफ वर्ष 2022–23 में 23.42 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर 107.53 लाख मे.टन धान की खरीदी की गई थी। किसानों को 21,963 करोड़ रूपये धान का समर्थन मूल्य भुगतान किया गया है।

5. लोक वित्त :– वित्तीय वर्ष 2023–24 में राजस्व प्राप्ति रू. 1,06,000.73 करोड़ एवं राजस्व व्यय रू. 1,02,500.70 करोड़ अनुमानित है। इस प्रकार राजस्व आधिक्य रू. 3500. 03 करोड़ दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में कुल राजस्व प्राप्तियों में पिछले वर्ष की तुलना में 8.27 प्रतिशत वृद्धि अनुमानित है। गैर कर राजस्व में प्रमुख योगदान कर भिन्न राजस्व का है। वर्ष 2023–24 के कुल गैर कर राजस्व प्राप्तियों में इसका योगदान 54.82 प्रतिशत अनुमानित है।

5.1 राजस्व कर :–

- वर्ष 2022-23 में वैट (प्रान्तीय) कर संग्रहण से सितंबर 2022 तक 2,787.90 करोड़ रू प्राप्त हुआ, तथा 31 मार्च 2023 की स्थिति में 6,435.68 करोड़ रू. प्राप्त हुआ। वर्ष 2023–24 में माह सितंबर 2023 तक 2,846.27 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2022-23 में केन्द्रीय विक्रय कर संग्रहण से सितंबर 2022 तक 7.24 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा 31 मार्च 2023 की स्थिति में 14.36 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई। साथ ही वर्ष 2023–24 में माह सितंबर 2023 तक 4.12 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2022-23 में प्रवेश कर संग्रहण से सितंबर 2022 तक 18.40 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ है, तथा 31 मार्च 2023 की स्थिति में 59.61 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई है। साथ ही वर्ष 2023–24 में माह सितंबर 2023 तक 6.63 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2022-23 में स्थानीय कर संग्रहण से सितंबर 2022 तक 0.46 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ है, तथा 31 मार्च 2023 की स्थिति में 0.59 करोड़ रू. की राजस्व प्राप्ति हुई है। साथ ही वर्ष 2023–24 में माह सितंबर 2023 तक 0.08 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

- वर्ष 2022–23 में SGST संग्रहण से माह सितंबर 2022 तक 3,644.00 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ, तथा ISGST संग्रहण से 1,571.33 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ। साथ ही क्षतिपूर्ति के रूप में राज्य को 1434.00 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

- वर्ष 2022–23 में SGST संग्रहण से 31 मार्च 2023 तक 7,369.76 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ तथा IGST संग्रहण से 3,928.66 करोड़ रू. का राजस्व प्राप्त हुआ। साथ ही क्षतिपूर्ति के रूप में राज्य को 2438.71 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है।

6 संस्थागत वित्त :– बैंकिग संपूर्ण लेन देन का अभिन्न अंग है।बैंकिग नेटवर्क वित्तीय प्रणाली एवं मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करती है। छत्तीसगढ़ राज्य की बैंकिंग गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हो रही है, राज्य में बैकों की संख्या मार्च 2023 में 47, शाखाओं की संख्या 3,338 एवं एटीएम की संख्या 3,491 है। जिनमें कुल जमा 2,37,871.8 करोड़ रूपये है।

7 **कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र** :—अर्थ व्यवस्था के समग्र विकास के लिये कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र का विकास महत्वपूर्ण है। राज्य गठन के समय प्रदेश में निर्मित 03 वृहद, 29 मध्यम एवं 1945 लघु सिंचाई योजनाओं से कुल 13.28 लाख हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता सृजित थी, जो वर्तमान में (मार्च 2023 तक) 21.52 लाख हेक्टेयर हो गई है। इस तरह राज्य निर्माण के पश्चात कुल 8.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई क्षमता की वृद्धि हुई। वर्तमान में प्रदेश की सिंचाई का प्रतिशत 38.84 हो गया है। राज्य में वर्तमान में 69 कृषि उपज मंडियाँ एवं 121 उप–मंडियाँ कार्यरत है। छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 2.027 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र उपलब्ध है जिसमें से 1.971 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र मछली पालन अन्तर्गत विकसित किया जा चुका है जो कुल जलक्षेत्र का 97.24 प्रतिशत है।

8 **वानिकी** :— राज्य में आरक्षित वन 25,782.17 वर्ग कि.मी. (43.13 प्रतिशत), संरक्षित वन 24,036.10 वर्ग कि.मी. (40.22 प्रतिशत) व अवर्गीकृत वन 9,954.13 वर्ग कि.मी. (16.65 प्रतिशत) वन क्षेत्र है तथा कुल 59,772.40 वर्ग कि.मी. वनक्षेत्र है। वर्ष 2022–23 में 1111.92 करोड़ रू. मूल्य के 15.83 लाख मानक बोरा तथा वर्ष 2023–24 में 789.91 करोड़ रू. मूल्य के 12.94 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का उत्पादन हुआ है।

9. **खनिज** :— छत्तीसगढ़ की धरती औद्यौगिक खनिजों से परिपूर्ण है। वित्तीय वर्ष 2022–23 (माह जनवरी 23 तक) में देश के खनिज उत्पादन में छत्तीसगढ़ राज्य का हिस्सा क्रमशः कोयला उत्पादन में 19.76%, लौह अयस्क म 15.90%, चूनापत्थर में 11.08%, बॉक्साइट में 4.43% तथा टिन अयस्क में 100% रहा। वित्तीय वर्ष 2022–23 में मुख्य खनिज से 8279.65 करोड़ आय हुआ, जहाँ गौण खनिज इसी अवधि में 246.72 करोड़ आय हुआ है।

10. **उद्योग** :— देश के आर्थिक विकास में औद्योगीकरण का योगदान महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा नई औद्योगिक नीति 2019–24 के अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन/स्टार्टअप योजनाएं लागू की गई हैं। राज्य में वर्ष 2022–23 में लगभग 20,100 करघों पर लगभग 60,300 बुनकर प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार में संलग्न हैं। छ0ग0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 9 उत्पादन केन्द्र कुंवरगढ़, सारागांव, मैनपुर, गरियाबंद, भगतदेवरी, तिफरा बिलासपुर, हरदी बाजार, देवरबीजा एवं डिमरापाल, संचालित हैं,

11 विद्युत एवं आधारभूत संरचना :– राज्य की स्वयं की विद्युत उत्पादन की कुल क्षमता राज्य के गठन के समय (नवंबर 2000) में 1360 मेगावाट थी, जो 22 वर्षों में बढ़कर (सितम्बर 2023 तक) 2978.70 मेगावाट हो गई है। इस प्रकार स्थापित क्षमता में 119% की अभिवृद्धि हुई है। वर्ष 2022–23 के अंत में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 61 लाख 53 हजार 4 सौ 23 है जो वर्ष 2021–22 की तुलना में 1.82 प्रतिशत अधिक है। कुल उपभोक्ताओं की संख्या में से वर्ष 2022–23 के अंत मे बीपीएल के 26.32 प्रतिशत, घरेलू के 54.33 प्रतिशत, गैर घरेलू के 6.75 प्रतिशत, औद्योगिक श्रेणी के 0.65 प्रतिशत एवं कृषि हितग्राही उपभोक्ताओं का 11.16 प्रतिशत है। माह 12/2022 की स्थिति में राष्ट्रीय राजमार्ग की लम्बाई 3,526 कि.मी.

12 ग्रामीण विकास एवं रोजगार :– छत्तीसगढ़ में त्रि–स्तरीय पंचायत राजव्यवस्था वर्ष 2000 में राज्य स्थापना के साथ लागू हुई। मनरेगा अंतर्गत वर्ष 2023–24 में सितम्बर तक 19.93 लाख परिवारों को रोजगार, 672.92 लाख मानव दिवस सृजित, महिलाओं का प्रतिशत 54 है। वर्ष 2023–24 में सितम्बर तक 27,591 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार।

13 नगरीय विकास :– ग्रामों से नगरों की ओर जनसंख्या का आना अर्थव्यस्था में विकास की कुंजी तथा शहरों की संख्या में वृद्धि सम्पन्नता को बढ़ाती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, आवास, यातायात, दूरसंचार इसके मूल तत्व हैं। वर्ष 1951 में जहॉं शहरीकरण 4.88 प्रतिशत (3.64 लाख) था, यह वर्ष 2011 में बढ़कर 23.24 प्रतिशत (59.37 लाख) हो गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 अवॉर्ड के लिए छत्तीसगढ़ के 5 शहर रायपुर, पाटन, कुम्हारी, आरंग, महासमुंद को पुरस्कृत किया गया।

14 शिक्षा :– वर्ष 2023–24 में सरस्वती सायकल योजना के तहत् 1,64,700 छात्राओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य। वर्ष 2023–24 में निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का प्रदाय अतंर्गत 5372806 छात्र छात्रएं लाभान्वित। उच्च शिक्षा विभाग के प्रदेश–व्यापी विस्तार के कारण राज्य में अब कुल 9 शासकीय विश्वविद्यालय, 15 निजी विश्वविद्यालय, 285 शासकीय महाविद्यालय, 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय तथा 256 अनुदान–अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालय हैं।

15 स्वास्थ्य :— SRS बुलेटीन (वर्ष 1997—2003) अनुसार प्रदेश का मातृ—मृत्यु अनुपात 365 प्रति लाख जीवित जन्म पर था, जो अब वर्तमान में SRS बुलेटीन (वर्ष 2018—2020) अनुसार 137 प्रति लाख जीवित जन्म है। राज्य में घटते बाल लिंगानुपात तथा बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच बढ़ाने के लिए **''नोनी सुरक्षा योजना''** शीर्षक से योजना दिनांक 01.04.2014 से लागू की गई है। प्रदेश में वर्तमान में 46,290 आंगनवाड़ी एवं 5,673 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र संचालित हैं।

16 सामाजिक सेवाएं :— सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनांतर्गत वर्ष 2022—23 में 4,32,449 हितग्राही लाभान्वित। इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय निःशक्तजन पेंशन योजनांतर्गत वर्ष 2022—23 में 33,446 हितग्राही लाभान्वित। सिविल सेवा प्रोत्साहन योजनांतर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियो को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के प्रारंभिक परीक्षा मे सफल होने पर मुख्य परीक्षा तैयारी हेतु राशि रू. 1.00 लाख प्रदान जाती है।

17 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)—छत्तीसगढ़ :— SDG इंडिया इंडेक्स 3-0 सूचकांक का नवीनतम संस्करण है जिसे 2021 में लॉन्च किया गया है। इसका गणना 109 संकेतकों का उपयोग करके किया गया है। छत्तीसगढ़ —एसआईएफ में 17 सतत विकास लक्ष्य मे 16 सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी लक्ष्य—14 को छोड़कर) के प्रगति को मापने के लिए कुल 275 संकेतक शामिल हैं। SDG इंडिया इंडेक्स—2021 में छत्तीसगढ़ का समग्र स्कोर 61 अंक था और वें 28 राज्य में 19वें स्थान पर था। छत्तीसगढ़ का स्थान परफॉर्मर श्रेणी में था और SDG लक्ष्य—5 में शीर्ष स्थान पर था।